चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम............The Tribune.................................

दिनांक ..4..9..2020...पृष्ठ संख्या.....2..............कॉलम.....7-8..........

HAU ANNOUNCES EXAM DATES

Hisar: Chaudhary Charan Singh Agricultural University, Hisar, has announced the examination dates for admission to postgraduate and PhD courses. An official spokesperson for the university said in the wake of the coronavirus pandemic, the examinations would be held online on September 6, 9, 12 and 16, while adhering to the social distancing norms. Candidates would be contacted on their mobile number and email id, if needed. "If a candidate does not submit the information sought by the university within the stipulated time period, he/she will not be allotted a seat in the first counselling," he said. The dates for the second counselling will be issued separately. He said there would be no change in the terms and conditions related to admission and reservation in the university brochure.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक 5.9.2020 पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....1-4.....

कृषि वैज्ञानिकों ने धान की सीधी बिजाई वाले क्षेत्रों का दौरा किया

हिसार, 3 सितम्बर (ब्यूरो): प्रदेश में किसानों द्वारा की गई धान की सीधी बिजाई के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा धान की सीधी बिजाई वाले खेतों का दौरा किया गया, जिसमें यह बात निकलकर सामने आई है। विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग के कृषि वैज्ञानिक खरपतवार नियंत्रक डॉ. सतबीर सिंह पूनिया ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में जहां धान की सीधी बिजाई की गई है, कृषि वैज्ञानिकों द्वारा दौरा किया गया और अब तक धान की फसल का तुलनात्मक अध्ययन किया। उन्होंने बताया कि सीधी बिजाई वाले धान में फुटाव कद्दू किए गए खेतों की तुलना में ज्यादा देखने को मिला है। धान की सीधी बिजाई वाले खेतों का दौरा करने वाली टीम में सस्य विज्ञान विभाग के कृषि वैज्ञानिक डॉ. टोडरमल पूनिया, डॉ. कौटिल्य चौधरी, डॉ. सुशील कुमार सिंह, डॉ. मनजीत व क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र से डॉ. मनीष कंबोज शामिल थे।

प्रदेश के इन क्षेत्रों में हुई है धान की सीधी बिजाई

डॉ. पूनिया ने बताया कि भूमि जलस्तर में निरंतर गिरावट व मजदूरों की कमी के चलते हकृवि के सस्य विज्ञान विभाग के कृषि वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन से प्रदेश के काफी किसानों ने सीधी बिजाई की थी। रतिया, फतेहाबाद, यमुनानगर, कैथल, असंध क्षेत्र में 5 से 10 प्रतिशत क्षेत्रफल में सीधी बिजाई की गई है। सस्य विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों ने हिसार, सिरसा, फतेहाबाद, रतिया व रानियां क्षेत्रों का दौरा किया गया।

रतिया क्षेत्र के गांव महमदकी व अन्य गांवों में किसानों ने अपने खेतों में 85 से 105 एकड़ तक धान की सीधी बिजाई की गई थी। गांव ढाणी माजरा, महमदकी, मिर्जापुर, बाजेकां, झोरड़नाली आदि गांवों के किसानों ने धान की सीधी बिजाई को लेकर अपने अनुभव सांझा करते हुए बताया कि सीधी बिजाई वाले धान में बकाने रोग की समस्या बिल्कुल भी नहीं आई, जबकि कद्दू किए गए खेतों में बीज उपचार के बावजूद यह समस्या देखने को मिली है। किसानों ने यह भी बताया कि अगले साल से वे सारे खेत में धान की सीधी बिजाई ही करेंगे।

पानी के साथ-साथ पैसे की भी बचत

किसानों के अनुसार प्रदेश सरकार की मेरा पानी मेरी विरासत योजना को धान की सीधी बिजाई सार्थक सिद्ध कर रही है। धान की सीधी बिजाई से न केवल धान की पौध तैयार करने से रोपाई तक के खर्च की लागत जो कि करीब 5000 से 7000 रुपए प्रति एकड़ है, वह बच जाती है बल्कि पैदावार भी कम नहीं होगी। इसके अलावा सीधी बिजाई वाले खेतों में 20 से 30 प्रतिशत तक पानी की भी बचत होती है। जिन किसानों ने पहले सीधी बिजाई की थी और किसी आशंका के चलते दोबारा से खेत तैयार कर कद्दू विधि द्वारा रोपाई की थी, वे अब अगले वर्ष धान की सीधी बिजाई करने के पक्ष में हैं।

धान की सीधी बिजाई का करें अवलोकन : प्रो. समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने किसानों से आह्वान किया है कि उन्होंने स्वयं क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान करनाल में धान की सीधी बिजाई पर कई वर्षों तक अनुसंधान कार्य किया है तथा किसानों के खेतों में धान की सीधी बिजाई करवाई है। इसके फायदों को देखते हुए उन्होंने सभी किसानों से अनुरोध किया है कि वे अपने गांव या आस-पास के क्षेत्र में सीधी बिजाई वाले धान के खेतों का अवलोकन करें तथा इसके फायदे जानें। गिरते जल स्तर व धान उत्पादन की बढ़ती लागत को ध्यान में रखते हुए उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि अगले साल ज्यादा से ज्यादा धान की सीधी बिजाई करें।

कृषि वैज्ञानिक डॉ. सतबीर सिंह पूनिया व उनकी टीम धान के खेत का निरीक्षण करते हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........अमर उजाला........

दिनांक 4. 9. 2020 पृष्ठ संख्या......1...... कॉलम......6-8......

एचएयू के कृषि मेले पर कोरोना का संकट, ऑनलाइन आयोजन पर विचार

अमित भारद्वाज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) की तरफ से सितंबर में आयोजित किए जाने वाले कृषि मेले (रबी की फसल) पर कोरोना महामारी के कारण संकट के बादल छाए हुए है। हालांकि विवि प्रशासन इस बार ऑनलाइन मेले का आयोजन करने के विकल्प पर विचार कर रहा है। स मेले में प्रदेश के अलावा आसपास के राज्यों के किसान भी आते हैं। मेले में किसान कृषि क्षेत्र की नई तकनीकों से रूबरू होते हैं। उन्हें बीज भी उपलब्ध कराए जाते हैं।

बता दें कि एचएयू की तरफ से साल में दो बार कृषि मेलों का आयोजन किया जाता है। एक खरीफ की फसल के लिए और दूसरा रबी की फसल के लिए। खरीफ की फसल वाला मेला मार्च में और

रबी की फसल वाला मेला सितंबर में आयोजित किया जाता है।

दूसरे राज्यों से भी आते हैं किसान : दो दिनों तक लगने वाले इस मेले में हरियाणा के अलावा पंजाब, राजस्थान व उत्तरप्रदेश से 50 हजार से ज्यादा किसान आते हैं। मेले के दौरान विवि द्वारा लाखों रुपये का बीज बेचा जाता है। इससे पहले कोरोना महामारी के कारण खरीफ की फसल वाला कृषि मेला भी रद्द कर दिया गया था। इस मेले को लेकर विवि ने पूरी तैयारी भी कर ली थी। मगर आखिरी वक्त पर विवि को मेला रद्द करना पड़ा।

मेले का मकसद

- कृषि मेले में कृषि वैज्ञानिक किसानों की कृषि संबंधी समस्याओं का समाधान करते हैं।
- मेले में प्रगतिशील किसानों को भी आमंत्रित किया जाता है, जो अन्य किसानों को भी आधुनिक खेती करने के लिए प्रेरित करते हैं।
- मेले में निशुल्क मिट्टी व पानी जांच की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है।
- कृषि उपकरण बनाने वाली कंपनियां अपने स्टाल लगाकर नवीनतम तकनीकों को प्रदर्शित कर किसानों को अवगत कराती हैं।
- मेले के दौरान ही विवि द्वारा आगामी फसलों के बीजों की बिक्री की जाती है।

" अभी तक मेले को रद्द करने को लेकर अंतिम फैसला नहीं किया गया है। हम इस बार ऑनलाइन मेले के आयोजन के विकल्प पर भी विचार कर रहे हैं। रबी की फसल के बीजों की बिक्री को लेकर बाद में किसानों को बता दिया जाएगा कि बीज कहां उपलब्ध होंगे।

- प्रो. समर सिंह, कुलपति, एचएयू।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 5.9.2020 पृष्ठ संख्या.....5.....कॉलम.....3.7.....

धान की सीधी बिजाई के मिल रहे सकारात्मक परिणाम

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। प्रदेश में किसानों द्वारा की गई धान की सीधी बिजाई के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा धान की सीधी बिजाई वाले खेतों का दौरा किया गया, जिसमें यह बात निकलकर सामने आई है।

एचएयू के कृषि वैज्ञानिकों ने सीधी बिजाई वाले क्षेत्रों का दौरा कर दी जानकारी

विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग के कृषि वैज्ञानिक खरपतवार नियंत्रक डॉ. सतबीर पूनिया ने बताया कि कृषि वैज्ञानिकों ने अब तक धान की फसल का तुलनात्मक अध्ययन किया। जिन किसानों ने कद्दू करने की बजाय धान की सीधी बिजाई की थी और समय पर ठीक से देखभाल की। उन किसानों का कहना है कि सीधी बिजाई वाले धान में फुटाव कद्दू किए गए खेतों की तुलना में ज्यादा देखने को मिला है। धान की सीधी बिजाई वाले खेतों का दौरा करने वाली टीम में कृषि वैज्ञानिक डॉ. टोडरमल पूनिया, डॉ. कौटिल्य चौधरी, डॉ. सुशील कुमार सिंह, डॉ. मनजीत व डॉ. मनीष शामिल थे।

कृषि वैज्ञानिक डॉ. सतबीर सिंह पूनिया व उनकी टीम।

इन क्षेत्रों में की गई बिजाई

डॉ. सतबीर सिंह पूनियां ने बताया कि भूमि जलस्तर में निरंतर गिरावट व मजदूरों की कमी के चलते एचएयू के मार्गदर्शन से रतिया, फतेहाबाद, यमुनानगर, कैथल, असंध (करनाल) क्षेत्र में 5 से 10 प्रतिशत क्षेत्रफल में सीधी बिजाई की गई है। रतिया क्षेत्र के गांव महमदकी व अन्य गांवों में किसानों ने अपने खेतों में 85 से 105 एकड़ तक धान की सीधी बिजाई की गई थी। गांव ढाणी माजरा, महमदकी, मिर्जापुर, बाजेकां, झोरडनाली आदि गांवों के किसानों ने बताया कि सीधी बिजाई वाले धान में बकाने रोग की समस्या बिल्कुल भी नहीं आई, जबकि कद्दू किए गए खेतों में बीज उपचार के बावजूद यह समस्या देखने को मिली है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम....दैनिक भास्कर....

दिनांक ..4. 9. 2020.. पृष्ठ संख्या.....2..... कॉलम.....4-6.....

धान की सीधी बिजाई के मिल रहे सकारात्मक परिणाम : डॉ. सतबीर

भास्कर न्यूज़| हिसार

प्रदेश में किसानों द्वारा की गई धान की सीधी बिजाई के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों ने धान की सीधी बिजाई वाले खेतों का दौरा किया, जिसमें यह बात सामने आई है। विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग के कृषि वैज्ञानिक खरपतवार नियंत्रक डॉ. सतबीर सिंह पुनिया ने बताया कि कृषि वैज्ञानिकों ने दौरा किया और अब तक धान की फसल का तुलनात्मक अध्ययन किया। उन्होंने बताया कि जिन किसानों ने कद्दू करने की बजाय धान की सीधी बिजाई की थी और समय पर ठीक से देखभाल की थी, वे किसान खुश हैं। उन किसानों का कहना था कि सीधी बिजाई वाले धान में फुटाव कद्दू किए गए खेतों की तुलना में ज्यादा देखने को मिला है। धान की सीधी बिजाई वाले खेतों का दौरा करने वाली टीम में सस्य विज्ञान विभाग के कृषि वैज्ञानिक डॉ. टोडरमल पूनिया, डॉ. कौटिल्य चौधरी, डॉ. सुशील कुमार सिंह, डॉ. मनजीत व क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र से डॉ. मनीष कंबोज शामिल रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....नित्य शक्ति टाइम्स.....

दिनांक 3.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....1.....

धान की सीधी बिजाई के मिल रहे सकारात्मक परिणाम : डॉ. पूनियां

कृषि वैज्ञानिकों ने धान की सीधी बिजाई वाले क्षेत्रों का दौरा कर दी जानकारी

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। प्रदेश में किसानों द्वारा की गई धान की सीधी बिजाई के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा धान की सीधी बिजाई वाले खेतों का दौरा किया गया, जिसमें यह बात निकलकर सामने आई है। विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग के कृषि वैज्ञानिक खरपतवार नियंत्रक डॉ. सतवीर सिंह पूनिया ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के निर्देशानुसार प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में जहां धान की सीधी बिजाई की गई है, कृषि वैज्ञानिकों द्वारा दौरा किया गया और अब तक धान की फसल का तुलनात्मक अध्ययन किया। उन्होंने बताया कि जिन किसानों ने कद्दू करने की बजाए धान की सीधी बिजाई की थी और समय पर ठीक से देखभाल की थी, वे किसान खुश थे। उन किसानों का कहना था कि सीधी बिजाई वाले धान में फुटाव कद्दू किए गए खेतों की तुलना में ज्यादा देखने को मिला है। धान की सीधी बिजाई वाले खेतों का दौरा करने वाली टीम में सस्य विज्ञान विभाग के कृषि वैज्ञानिक डॉ. टोडरमल पूनिया, डॉ. कौटिल्य चौधरी, डॉ. सुशील कुमार सिंह, डॉ. मनजीत व क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र से डॉ. मनीष कंबोज शामिल थे।

प्रदेश के इन क्षेत्रों में की गई है धान की सीधी बिजाई

डॉ. सतवीर सिंह पूनियां ने बताया कि भूमि जलस्तर में निरंतर गिरावट व मजदूरों की कमी के चलते चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्याल के सस्य विज्ञान विभाग के कृषि वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन से प्रदेश के काफी किसानों ने सीधी बिजाई की थी।

रतिया, फतेहाबाद, यमुनानगर, कैथल, असंध क्षेत्र में 5 से 10 प्रतिशत क्षेत्रफल में सीधी बिजाई की गई है। सस्य विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों ने हिसार, सिरसा, फतेहाबाद, रतिया व गनियां क्षेत्रों का दौरा किया गया। रतिया क्षेत्र के गांव महमदकी व अन्य गांवों में किसानों ने अपने खेतों में 85 से 105 एकड़ तक धान की सीधी बिजाई की गई थी। गांव झणी माजरा, महमदकी, मिर्जापुर, बाजेकां, झोरड़नाली आदि गांवों के किसानों ने धान की सीधी बिजाई को लेकर अपने अनुभव सांझा करते हुए बताया कि सीधी बिजाई वाले धान में बकाने रोग की समस्या बिल्कुल भी नहीं आई, जबकि कद्दू किए गए खेतों में बीज उपचार के बावजूद यह समस्या देखने को मिली है। किसानों ने यह भी बताया कि अगले साल से वे सारे खेत में धान की सीधी बिजाई ही करेंगे।

वीसी प्रो. समर सिंह बोले, धान की सीधी बिजाई का करें अवलोकन

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने किसानों से आह्वान किया है कि उन्होंने स्वयं क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान करनाल में धान की सीधी बिजाई पर कई वर्षों तक अनुसंधान कार्य किया है तथा किसानों के खेतों में धान की सीधी बिजाई करवाई है। इसके फायदों को देखते हुए उन्होंने सभी किसानों से अनुरोध किया है कि वे अपने गांव या आस-पास के क्षेत्र में सीधी बिजाई वाले धान के खेतों का अवलोकन करें तथा इसके फायदे जानें। गिरते जल स्तर व धान उत्पादन की बढ़ती लागत को ध्यान में रखते हुए उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि अगले साल ज्यादा से ज्यादा धान की सीधी बिजाई करें।

पानी के साथ-साथ पैसे की भी बचत : किसानों के अनुसार प्रदेश सरकार की मेरा पानी मेरी विरासत योजना को धान की सीधी बिजाई सार्थक सिद्ध कर रही है। धान की सीधी बिजाई से न केवल धान की पौध तैयार करने से रोपाई तक के खर्च की लागत जो कि करीब 5000 से 7000 रुपये प्रति एकड़ है, वह बच जाती है बल्कि पैदावार भी कम नहीं होगी। इसके अलावा सीधी बिजाई वाले खेतों में 20 से 30 प्रतिशत तक पानी की भी बचत होती है। जिन किसानों ने पहले सीधी बिजाई की थी और किसी आशंका के चलते दोबारा से खेत तैयार कर कद्दू विधि द्वारा रोपाई की थी, वे अब अगले वर्ष धान की सीधी बिजाई करने के पक्ष में हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम .... पांच बजे ....

दिनांक 3.9.2020 पृष्ठ संख्या — कॉलम —

हकृवि के कृषि वैज्ञानिकों ने धान की सीधी बिजाई वाले क्षेत्रों का दौरा कर दी जानकारी

धान की सीधी बिजाई के मिल रहे सकारात्मक परिणाम : डॉ. पूनियां

पांच बजे ब्यूरो

हिसार। प्रदेश में किसानों द्वारा की गई धान की सीधी बिजाई के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा धान की सीधी बिजाई वाले खेतों का दौरा किया गया, जिसमें यह बात निकलकर सामने आई है। विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग के कृषि वैज्ञानिक खरपतवार नियंत्रक डॉ. सतबीर सिंह पुनिया ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के निर्देशानुसार प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में जहां धान की सीधी बिजाई की गई है, कृषि वैज्ञानिकों द्वारा दौरा किया गया और अब तक धान की फसल का तुलनात्मक अध्ययन किया। उन्होंने बताया कि जिन किसानों ने कद्दू करने की बजाए धान की सीधी बिजाई की थी और समय पर ठीक से देखभाल की थी, वे किसान खुश थे। उन किसानों का कहना था कि सीधी बिजाई वाले धान में फुटाव कद्दू किए गए खेतों की तुलना में ज्यादा देखने को मिला है। धान की सीधी बिजाई वाले खेतों का दौरा करने वाली टीम में सस्य विज्ञान विभाग के कृषि वैज्ञानिक डॉ. टोडरमल पूनिया, डॉ. कौटिल्य चौधरी, डॉ. सुशील कुमार सिंह, डॉ. मनजीत व क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र से डॉ. मनीष कंबोज शामिल थे।

प्रदेश के इन क्षेत्रों में की गई है धान की सीधी बिजाई

डॉ. सतबीर सिंह पूनियां ने बताया कि भूमि जलस्तर में निरंतर गिरावट व मजदूरों की कमी के चलते चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्याल के सस्य विज्ञान विभाग के कृषि वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन से प्रदेश के काफी किसानों ने सीधी बिजाई की थी। रतिया, फतेहाबाद, यमुनानगर, कैथल, असंध क्षेत्र में 5 से 10 प्रतिशत क्षेत्रफल में सीधी बिजाई की गई है। सस्य विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों ने हिसार, सिरसा, फतेहाबाद, रतिया व रानियां क्षेत्रों का दौरा किया गया। रतिया क्षेत्र के गांव महम्मदकी व अन्य गांवों में किसानों ने अपने खेतों में 85 से 105 एकड़ तक धान की सीधी बिजाई की गई थी। गांव ढाणी माजरा, महम्मदकी, मिर्जापुर, बाजेकां, झोरड़नाली आदि गांवों के किसानों ने धान की सीधी बिजाई को लेकर अपने अनुभव सांझा करते हुए बताया कि सीधी बिजाई वाले धान में बकाने रोग की समस्या बिल्कुल भी नहीं आई, जबकि कद्दू किए गए खेतों में बीज उपचार के बावजूद यह समस्या देखने को मिली है। किसानों ने यह भी बताया कि अगले साल से वे सारे खेत में धान की सीधी बिजाई ही करेंगे।

पानी के साथ-साथ पैसे की भी बचत

किसानों के अनुसार प्रदेश सरकार की मेरा पानी मेरी विरासत योजना को धान की सीधी बिजाई सार्थक सिद्ध कर रही है। धान की सीधी बिजाई से न केवल धान की पौध तैयार करने से रोपाई तक के खर्च की लागत जो कि करीब 5000 से 7000 रुपये प्रति एकड़ है, वह बच जाती है बल्कि पैदावार भी कम नहीं होगी। इसके अलावा सीधी बिजाई वाले खेतों में 20 से 30 प्रतिशत तक पानी की भी बचत होती है। जिन किसानों ने पहले सीधी बिजाई की थी और किसी आशंका के चलते दोबारा से खेत तैयार कर कद्दू विधि द्वारा रोपाई की थी, वे अब अगले वर्ष धान की सीधी बिजाई करने के पक्ष में हैं।

धान की सीधी बिजाई का करें अवलोकन : प्रोफेसर समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने किसानों से आह्वान किया है कि उन्होंने स्वयं क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान करनाल में धान की सीधी बिजाई पर कई वर्षों तक अनुसंधान कार्य किया है तथा किसानों के खेतों में धान की सीधी बिजाई करवाई है। इसके फायदों को देखते हुए उन्होंने सभी किसानों से अनुरोध किया है कि वे अपने गांव या आस-पास के क्षेत्र में सीधी बिजाई वाले धान के खेतों का अवलोकन करें तथा इसके फायदे जानें। गिरते जल स्तर व धान उत्पादन की बढ़ती लागत को ध्यान में रखते हुए उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि अगले साल ज्यादा से ज्यादा धान की सीधी बिजाई करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ....पल पल....
दिनांक 3.9.2020 पृष्ठ संख्या ....-.... कॉलम ....-....

उपोष्ण कटिबंधीय फलों में आधुनिक उत्पादन तकनीक विषय पर ऑनलाइन वेबिनार आज से

पल पल न्यूज: हिसार, 3 सितम्बर। उपोष्ण कटिबंधीय फलों में आधुनिक उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन 4 से 6 सितम्बर तक किया जाएगा। वेबिनार में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिए जाएंगे। यह जानकारी देते हुए एमएचयू के अनुसंधान निदेशक व वेबिनार के आयोजक सचिव डॉ. अजय यादव ने बताया कि वेबिनार में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार व महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बतौर मुख्यातिथि शामिल होंगे। एमएचयू के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. विजय अरोड़ा ने बताया कि इस वेबिनार का आयोजन 'राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना' के सौजन्य से किया जाएगा। वेबिनार में विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी, कृषि वैज्ञानिक, देश व प्रदेश के प्रगतिशील किसान ऑनलाइन शामिल होंगे। वेबिनार में उपोष्ण कटिबंधीय फलों जैसे आम, लीची, अमरूद, अनार, किन्नू आदि की अग्रिम खेती, उचित प्रबंधन, फलों का तुड़ाई के बाद संरक्षण एवं रख-रखाव संबंधी आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। इस वेबिनार में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के बागवानी विभाग के कृषि वैज्ञानिक भी शामिल होंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....सिटी पल्स.....

दिनांक ...3...9...2020...पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....1.....

उपोष्ण कटिबंधीय फलों में 'आधुनिक उत्पादन तकनीक' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार कल से

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। उपोष्ण कटिबंधीय फलों में आधुनिक उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन 4 से 6 सितम्बर तक किया जाएगा। वेबिनार में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिए जाएंगे।

यह जानकारी देते हुए एमएचयू के अनुसंधान निदेशक व वेबिनार के आयोजक सचिव डॉ. अजय यादव ने बताया कि वेबिनार में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. समर सिंह बतौर मुख्यातिथि शामिल होंगे। एमएचयू के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. विजय अरोड़ा ने बताया कि इस वेबिनार का आयोजन 'राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना' के सौजन्य से किया जाएगा।

वेबिनार में विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी, कृषि वैज्ञानिक, देश व प्रदेश के प्रगतिशील किसान ऑनलाइन शामिल होंगे। वेबिनार में उपोष्ण कटिबंधीय फलों जैसे आम, लीची, अमरूद, अनार, किन्नू आदि की अग्रिम खेती, उचित प्रबंधन, फलों का तुड़ाई के बाद संरक्षण एवं रख-रखाव संबंधी आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। इस वेबिनार में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के बागवानी विभाग के कृषि वैज्ञानिक भी शामिल होंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....हैलो हिसार.....

दिनांक 3.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....1.....

धान की सीधी बिजाई के मिल रहे सकारात्मक परिणाम : डॉ. सतबीर सिंह पूनिया

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : प्रदेश में किसानों द्वारा की गई धान की सीधी बिजाई के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा धान की सीधी बिजाई वाले खेतों का दौरा किया गया, जिसमें यह बात निकलकर

कृषि वैज्ञानिकों ने धान की सीधी बिजाई वाले क्षेत्रों का दौरा कर दी जानकारी

सामने आई है। विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग के कृषि वैज्ञानिक खरपतवार नियंत्रक डॉ. सतबीर सिंह पुनिया ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के निर्देशानुसार प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में जहां धान की सीधी बिजाई की गई है, कृषि वैज्ञानिकों द्वारा दौरा किया गया और अब तक धान की फसल का तुलनात्मक अध्ययन किया। उन्होंने बताया कि जिन किसानों ने कद्दू करने की बजाए धान की सीधी बिजाई की थी और समय पर ठीक से देखभाल की थी, वे किसान खुश थे। उन किसानों का कहना था कि सीधी बिजाई वाले धान में फुटाव कद्दू किए गए खेतों की तुलना में ज्यादा देखने को मिला है। धान की सीधी बिजाई वाले खेतों का दौरा करने वाली टीम में सस्य विज्ञान विभाग के कृषि वैज्ञानिक डॉ. टोडरमल पूनिया, डॉ. कौटिल्य चौधरी, डॉ. सुशील कुमार सिंह, डॉ. मनजीत व क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र से डॉ. मनीष कंबोज शामिल थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... सच कहूँ .....

दिनांक 5.9.2020 पृष्ठ संख्या..... — .....कॉलम..... — .....

'उपोष्ण कटिबंधीय फलों में आधुनिक उत्पादन तकनीक' विषय पर वेबिनार 4 से

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। उपोष्ण कटिबंधीय फलों में आधुनिक उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन 4 से 6 सितम्बर तक किया जाएगा। वेबिनार में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिए जाएंगे। एमएचयू के अनुसंधान निदेशक व वेबिनार के आयोजक सचिव डॉ. अजय यादव ने बताया कि वेबिनार में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार व महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बतौर मुख्यातिथि शामिल होंगे। एमएचयू के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. विजय अरोड़ा ने बताया कि इस वेबिनार का आयोजन 'राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना' के सौजन्य से किया जाएगा। इस वेबिनार में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के बागवानी विभाग के कृषि वैज्ञानिक भी शामिल होंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........समर घोष........

दिनांक 3. 9. 2020 पृष्ठ संख्या...... — ......कॉलम...... — ......

हकृवि में 'उपोष्ण कटिबंधीय फलों में आधुनिक उत्पादन तकनीक' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार कल से

हिसार। उपोष्ण कटिबंधीय फलों में आधुनिक उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन 4 से 6 सितम्बर तक किया जाएगा। वेबिनार में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिए जाएंगे। यह जानकारी देते हुए एमएचयू के अनुसंधान निदेशक व वेबिनार के आयोजक सचिव डॉ. अजय यादव ने बताया कि वेबिनार में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार व महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बतौर मुख्यातिथि शामिल होंगे। एमएचयू के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. विजय अरोड़ा ने बताया कि इस वेबिनार का आयोजन 'राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना' के सौजन्य से किया जाएगा। वेबिनार में विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी, कृषि वैज्ञानिक, देश व प्रदेश के प्रगतिशील किसान ऑनलाइन शामिल होंगे। वेबिनार में उपोष्ण कटिबंधीय फलों जैसे आम, लीची, अमरूद, अनार, किन्नू आदि की अग्रिम खेती, उचित प्रबंधन, फलों का तुड़ाई के बाद संरक्षण एवं रख-रखाव संबंधी आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। इस वेबिनार में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के बागवानी विभाग के कृषि वैज्ञानिक भी शामिल होंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.......पांच बजे.......

दिनांक 3-9-2020 पृष्ठ संख्या ..... — ..... कॉलम ..... — .....

'उपोष्ण कटिबंधीय फलों में आधुनिक उत्पादन तकनीक' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार 4 सितम्बर से

हिसार : उपोष्ण कटिबंधीय फलों में आधुनिक उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन 4 से 6 सितम्बर तक किया जाएगा। वेबिनार में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिए जाएंगे। यह जानकारी देते हुए एमएचयू के अनुसंधान निदेशक व वेबिनार के आयोजक सचिव डॉ. अजय यादव ने बताया कि वेबिनार में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार व महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बतौर मुख्यातिथि शामिल होंगे। एमएचयू के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. विजय अरोड़ा ने बताया कि इस वेबिनार का आयोजन 'राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना' के सौजन्य से किया जाएगा। वेबिनार में विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी, कृषि वैज्ञानिक, देश व प्रदेश के प्रगतिशील किसान ऑनलाइन शामिल होंगे। वेबिनार में उपोष्ण कटिबंधीय फलों जैसे आम, लीची, अमरूद, अनार, किन्नू आदि की अग्रिम खेती, उचित प्रबंधन, फलों का तुड़ाई के बाद संरक्षण एवं रख-रखाव संबंधी आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम...हिसार टूडे...

दिनांक 3.9.2020 पृष्ठ संख्या.......—....... कॉलम.......—.......

आधुनिक उत्पादन तकनीक' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार 4 सितम्बर से

हिसार | उपोष्ण कटिबंधीय फलों में आधुनिक उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन 4 से 6 सितम्बर तक किया जाएगा। वेबिनार में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिए जाएंगे। यह जानकारी देते हुए एमएचयू के अनुसंधान निदेशक व वेबिनार के आयोजक सचिव डॉ. अजय यादव ने बताया कि वेबिनार में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार व महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बतौर मुख्यातिथि शामिल होंगे। एमएचयू के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. विजय अरोड़ा ने बताया कि इस वेबिनार का आयोजन 'राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना' के सौजन्य से किया जाएगा। वेबिनार में विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी, कृषि वैज्ञानिक, देश व प्रदेश के प्रगतिशील किसान ऑनलाइन शामिल होंगे। वेबिनार में उपोष्ण कटिबंधीय फलों जैसे आम, लीची, अमरूद, अनार, किन्नू आदि की अग्रिम खेती, उचित प्रबंधन, फलों का तुड़ाई के बाद संरक्षण एवं रख-रखाव संबंधी आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। इस वेबिनार में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के बागवानी विभाग के कृषि वैज्ञानिक भी शामिल होंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम ..... नित्य शक्ति टाइम्स .....

दिनांक 3.9.2020 ..... पृष्ठ संख्या ..... – ..... कॉलम ..... – .....

'उपोष्ण कटिबंधीय फलों में आधुनिक उत्पादन तकनीक' विषय पर हकृवि में ऑनलाइन वेबिनार कल से

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। उपोष्ण कटिबंधीय फलों में आधुनिक उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन 4 से 6 सितम्बर तक किया जाएगा। वेबिनार में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिए जाएंगे। यह जानकारी देते हुए एमएचयू के अनुसंधान निदेशक व वेबिनार के आयोजक सचिव डॉ. अजय यादव ने बताया कि वेबिनार में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार व महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बतौर मुख्यातिथि शामिल होंगे।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. विजय अरोड़ा ने बताया कि इस वेबिनार का आयोजन 'राष्टीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना' के सौजन्य से किया जाएगा। वेबिनार में विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी, कृषि वैज्ञानिक, देश व प्रदेश के प्रगतिशील किसान ऑनलाइन शामिल होंगे। वेबिनार में उपोष्ण कटिबंधीय फलों जैसे आम, लीची, अमरूद, अनार, किन्नू आदि की अग्रिम खेती, उचित प्रबंधन, फलों का तुड़ाई के बाद संरक्षण एवं रख-रखाव संबंधी आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। इस वेबिनार में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के बागवानी विभाग के कृषि वैज्ञानिक भी शामिल होंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक हरियाणा.....

दिनांक 3.9.2020.....पृष्ठ संख्या.....—.....कॉलम.....—.....

'उपोष्ण कटिबंधीय फलों में आधुनिक उत्पादन तकनीक' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार 4 सितम्बर से

September 3, 2020 • Rakesh • Hisar Local News

हिसार : 3 सितम्बर

उपोष्ण कटिबंधीय फलों में आधुनिक उत्पादन तकनीक विषय पर तीन दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन 4 से 6 सितम्बर तक किया जाएगा। वेबिनार में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिए जाएंगे। यह जानकारी देते हुए एमएचयू के अनुसंधान निदेशक व वेबिनार के आयोजक सचिव डॉ. अजय यादव ने बताया कि वेबिनार में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार व महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह बतौर मुख्यातिथि शामिल होंगे। एमएचयू के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. विजय अरोड़ा ने बताया कि इस वेबिनार का आयोजन 'राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना' के सौजन्य से किया जाएगा। वेबिनार में विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी, कृषि वैज्ञानिक, देश व प्रदेश के प्रगतिशील किसान ऑनलाइन शामिल होंगे। वेबिनार में उपोष्ण

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........जग मार्ग........

दिनांक ..3.9.2020.......पृष्ठ संख्या........—........कॉलम........—........

जानकारी कृषि वैज्ञानिकों ने धान की सीधी बिजाई वाले क्षेत्रों का दौरा कर दी जानकारी

धान की सीधी बिजाई के मिल रहे सकारात्मक परिणाम : डॉ. सतबीर

जगमार्ग न्यूज

हिसार। प्रदेश में किसानों द्वारा की गई धान की सीधी बिजाई के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों ने धान की सीधी बिजाई वाले खेतों का दौरा किया, जिसमें यह बात निकलकर सामने आई है। विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग के कृषि वैज्ञानिक खरपतवार नियंत्रक डॉ. सतबीर सिंह पूनिया ने बताया कि कुलपति प्रो. समर सिंह के निर्देशानुसार प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में जहां धान की सीधी बिजाई की गई है, कृषि वैज्ञानिकों ने दौरा किया और अब तक धान की फसल का तुलनात्मक अध्ययन किया। उन्होंने बताया कि जिन किसानों ने कद्दू करने की बजाए धान की सीधी बिजाई की थी और समय पर ठीक से देखभाल की थी, वे किसान खुश थे। उन किसानों का कहना था कि सीधी बिजाई वाले धान में फुटाव कद्दू किए गए खेतो की तुलना में ज्यादा देखने को मिला है। धान की सीधी बिजाई वाले खेतों का दौरा करने वाली टीम में सस्य विज्ञान विभाग के कृषि वैज्ञानिक डॉ. टोडरमल पूनिया, डॉ. कौटिल्य चौधरी, डॉ. सुशील कुमार सिंह, डॉ. मनजीत व क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र से डॉ. मनीष कंबोज शामिल थे। डॉ. सतबीर सिंह पूनिया ने बताया कि भूमि जलस्तर में निरंतर गिरावट व मजदूरों की कमी के चलते हरियाणा कृषि विश्वविद्याल के सस्य विज्ञान विभाग के कृषि वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन से प्रदेश के काफी किसानों ने सीधी बिजाई की थी। रतिया, फतेहाबाद, यमुनानगर, कैथल, असंध क्षेत्र में 5 से 10 प्रतिशत क्षेत्रफल में सीधी बिजाई की गई है। सस्य विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों ने हिसार, सिरसा, फतेहाबाद, रतिया व रानियां क्षेत्रों का दौरा किया गया। रतिया क्षेत्र के गांव महमदकी व अन्य गांवों में किसानों ने अपने खेतों में 85 से 105 एकड़ तक धान की सीधी बिजाई की गई थी। गांव ढाणी माजरा, महमदकी, मिर्जापुर, बाजेकां, झोरडनाली आदि गांवों के किसानों ने धान की सीधी बिजाई को लेकर अपने अनुभव सांझा करते हुए बताया कि सीधी बिजाई वाले धान में बकाने रोग की समस्या बिल्कुल भी नहीं आई, जबकि कद्दू किए गए खेतों में बीज उपचार के बावजूद यह समस्या देखने को मिली है। किसानों ने यह भी बताया कि अगले साल से वे सारे खेत में धान की सीधी बिजाई ही करेंगे। किसानों के अनुसार प्रदेश सरकार की मेरा पानी मेरी विरासत योजना को धान की सीधी बिजाई सार्थक सिद्ध कर रही है। धान की सीधी बिजाई से न केवल धान की पौध तैयार करने से रोपाई तक के खर्च की लागत जो कि करीब 5000 से 7000 रुपये प्रति एकड़ है, वह बच जाती है बल्कि पैदावार भी कम नहीं होगी।

सीधी बिजाई वाले धान के खेतों का निरीक्षण करते हकृवि के विशेषज्ञ व खेतों में खड़ा सीधी बिजाई का धान।